हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 22 | देहरादून, शनिवार, 09 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

एमडी परिवहन रोहित मीणा ने किया आईओसी के निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन 4

मुख्यमंत्री ने किया मेक इन इंडिया के तहत प्रदेश की पहली ड्रोन फैक्ट्री का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुड़की में रोटर प्रेसिजन इंस्ट्रूमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मेक इन इंडिया के तहत प्रदेश की पहली ड्रोन फैक्ट्री का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी तकनीक से बनाए जा रहे ड्रोन उपकरणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के साथ ही रोटर ग्रुप को बधाई देते हुए कहा कि आज प्रदेश के लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है जब देश की सबसे बड़ी और प्रदेश की पहली आधुनिक ड्रोन तकनीक फैक्ट्री की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आदिकाल से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में आगे रहा है, वेद पुराणों में भी पुष्पक विमान जैसे आधुनिक विमानों का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत मेक इन इंडिया के तहत ड्रोन तकनीक और हथियार निर्माण के क्षेत्र में बहुत तेजी से कार्य कर रहा है। आज भारत तमाम देशों को हथियार निर्यात कर रहा है जो कि भारत को एक विश्व शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार संसाधनहीन प्रतिभाओं को मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया के तहत प्रोत्साहित कर रही है। उत्तराखंड भौगोलिक परिस्थितियों के लिहाज से बेहद जटिल राज्य है, यहां ड्रोन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन का राज्य में और कितना बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है इसके लिए सभी विशेषज्ञ अपने सुझाव सरकार तक पहुंचा सकते हैं। राज्य सरकार राज्य हित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अवश्य संज्ञान लेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में ड्रोन एप्लीकेशन रिसर्च सेंटर डार्क स्थापित किया गया है। हमारी सरकार का लक्ष्य है अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना है। हम विकल्प रहित संकल्प के सिद्धांत के साथ काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में रोटर ग्रुप द्वारा जानकारी दी गई कि इस ड्रोन फैक्ट्री में प्रति माह 150 से अधिक सर्वेक्षण ड्रोन और भारतीय सेना के लिए 50 से ज्यादा एडवांस ड्रोन बनाने की क्षमता है । फैक्ट्री में ड्रोन के सुरक्षित और कुशल उपयोग के साथ-साथ भू-स्थानिक डेटा उत्पादन में पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए एक स्वतंत्र प्रशिक्षण अकादमी भी होगी।

कार्यक्रम में विधायक रुड़की प्रदीप बत्रा, सर्वे ऑफ़ इंडिया, आईआईटी रुड़की समेत अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पौड़ी-नैनीताल में आज हो सकती है भारी बारिश, पहली बार रेड अलर्ट

देहरादून। पौड़ी और नैनीताल में आज को अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने पहली बार रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, चंपावत, बागेश्वर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ में भी बहुत अधिक भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि 24 घंटे में नैनीताल और पौड़ी में भारी से भारी बारिश को देखते हुए नदियों, नालों के किनारे बसे लोगों के साथ ही भूस्खलन संभावित इलाकों में सावधान रहने की जरूरत है। बताया कि इस बाबत राज्य सरकार व आपदा प्रबंधन विभाग को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। सिंह के मुताबिक, देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, चंपावत, बागेश्वर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ में भारी से बहुत अधिक भारी बारिश की संभावना है। उधर, राजधानी और आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए डीएम डॉ. आर राजेश कुमार ने आपदा प्रबंधन से जुड़े अफसरों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं। डीएम ने आपदा प्रबंधन से जुडे. अफसरों संग बैठक कर जरूरी निर्देश भी जारी किए हैं।

राज्य कर विभाग उत्तराखंड

उपलब्धियां

करदाताओं के सहयोग एवं विभागीय प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम 100 दिनों में लक्ष्य से अधिक संग्रह प्राप्ति

संग्रह	100 दिनों हेतु निर्धारित लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति	लक्ष्य प्राप्ति प्रतिशत में
एसजीएसटी	रू. 1677 करोड़	रू. 1933 करोड़	115%
वैट	रू. 529 करोड़	रू. 688 करोड़	130%

- विभाग द्वारा हित धारकों एवं करदाताओं को GST के परिप्रेक्ष्य में जागरूक करने हेतु विभिन्न व्यवसायों के संबंध में प्रत्येक सप्ताह Online Workshop आयोजित करते हुए प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें Tourism, Works Contract, Hotel & Restaurants, e-Commerce इत्यादि विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर जानकारी दी जा चुकी है।
- माननीय वित्त मंत्री जी की पहल पर रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज अनिवार्य नहीं होने एवं स्वैच्छिक होने के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाने में उत्तराखंड देश में अग्रणी राज्य है।
- राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, सुगमता एवं तीव्रता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में e-office का क्रियान्वयन किया जा चुका है।
- राज्य कर विभाग के समस्त कार्यालयों में उपस्थिति अंकित किए जाने हेतु बायोमेट्रिक स्थापित है

वार्षिक बिक्री रु 20 लाख से अधिक होने पर जीएसटी पंजीयन लेना अनिवार्य है।

किसी भी वस्तु की खरीद अथवा सेवाओं की प्राप्ति हेतु जीएसटी बिल अवश्य ले। आपका टैक्स देश एवं प्रदेश के विकास में आपका योगदान है।

State Helpline: 1800-120-122-277 \ GST Website : https.//gst.gov.in

वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित एवं जागरूक किया जाए : ऋतू खंडूरी भूषण, स्पीकर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आज से हरियाली सप्ताह महोत्सव का पूरे देश में शुभांरभ किया गया। इसी कड़ी में कोटद्वार के नगर वन क्षेत्र पनियाली में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि जीव सृष्टि की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि सभी लोग पर्यावरण के प्रति जागरूक हो, क्योंकि हम तभी तक सुरक्षित हैं, जब तक हमारा पर्यावरण सुरक्षित है।

राजकीय महाविद्यालय मार्ग पनियाली वन क्षेत्र में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पौधे रोपित करने से पहले विधानसभा अध्यक्ष सहित वन विभाग के अधिकारियों एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा विधिवत भूमि पूजन किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि "आजादी का अमृत महोत्सव" की भावना के तहत ₹हरियाली महोत्सव₹ का आयोजन न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के जीवन को बनाए रखने बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने में पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किया जा रहा है। उन्होनें कहा की जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में पेड़ अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों से संबंधित पहल के पूरक के रूप में इस महोत्सव का बेहद महत्व है। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और इस धरती को इकोसिस्टम से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान करने में वन/हरियाली की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से देशभर में हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली एवं रासायनिक दवाओं आदि के प्रयोग से हमारा पेयजल, खाद्य पदार्थ एवं हमारे आस-पास का वातावरण दूषित होता है जिससे बचने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि अपने स्तर पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के साथ-साथ लोगों को वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित एवं जागरूक किया जाए। उन्होनें कहा की वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत परंपरागत वृक्षों जैसे पीपल, बरगद, व अन्य औषधीय वृक्षों को महत्व देने की आवश्यकता है। ये वृक्ष प्रकृति की सुरक्षा और संरक्षण में योगदान देते हैं। इस अवसर पर लैंसडौन वन प्रभाग के डीएफओ अमरीश कुमार, रेंजर बी डी तिवारी, एसडीओ किशोर नौटियाल, रेंजर अजय ध्यानी, एसडीओ कैंथोला, सुमन कोटनाला, लक्ष्मी मधवाल, सुरेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य चंदन सिंह, सौरभ नौडियाल, राजेंद्र प्रसाद पंत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गौलापार स्थित कालीचौड़ मन्दिर पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ग्रामीणों से की मुलाक़ात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गौलापार स्थित कालीचौड़ मन्दिर पहुंचे, जहाँ मन्दिर पहुंचकर मुख्यमंत्री धामी ने मां काली की पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश के लिए सुख, समृद्धि की कामना की। पूजा अर्चना के पश्चात मुख्यमंत्री धामी से ग्रामीणों ने मुलाकात की जहां समिति व लोगों ने सुल्ताननगरी मंदिर गेट से मां कालीचौड़ मन्दिर तक डामरीकरण के साथ ही पूर्वी खेड़ा, गोबिन्द ग्राम, सुल्ताननगरी व पश्चिमी खेड़ा लिंक मार्गों का डामरीकरण कराने की मांग रखी। मुख्यमंत्री धामी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही समस्या का समाधान किया जायेगा।इस अवसर पर विधायक रामसिंह कैड़ा, मेयर डा0 जोगेन्दर पाल सिंह रौतेला, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य अर्जुन बिष्ट, बसंत सनवाल,हुकम सिंह कुंवर, शेखर जोशी, पुष्कर कोश्यारी, पार्षद तन्मय रावत, हरीश मनराल,बालम बिष्ट, आलोक सत्याल,भुवन जोशी आदि उपस्थित थे।

फिर फूटा मंत्री रेखा आर्या का गुस्सा - खाद्य विभाग कार्यक्रम में लगाई जमकर फटकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा और यूपी में स्थिति साफ़ होने के बाद भी उत्तराखंड में संशय बरकरार है जिसकी वजह से कई दावेदारों के दिल बेक़रार है। पहले जहाँ उम्मीद थी कि धामी रिटर्न्स की फिल्म ही लिखी जा रही है लेकिन जिस तरह से दिल्ली से लौटकर निर्वर्तमान सीएम देहरादून की बजाय खटीमा पहुंचे हैं उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा में हो रहे विलंब की वजह कुछ और है। अब तो दावेदार भी अपनी संभावनाओं को लेकर प्रयासों में जुटे हैं। इस परिदृश्य के बीच जैसी परिस्थितियां हैं, वे इस तरफ इशारा कर रही हैं कि राज्य में भाजपा विधायक दल के नेता का नाम होली के बाद ही स्थिति सामने आ सकता है।

व्यवस्था से नाराज हुई मंत्री तो जिला पूर्ति अधिकारी को लगाई फटकार

कार्यक्रम के शुरुआत में खाद्य मंत्री श्रीमती रेखा आर्या व्यवस्थाओं से नाखुश दिखीं जिस पर उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को जमकर फटकार लगाई । ख़ाद्य मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह कोई समीक्षा बैठक नही आहूत की जा रही है जिसे कि हम बंद कमरे में कर रहे हैं। यह आम जनता के लिए कार्यक्रम है ,इस कार्यक्रम से आम व्यक्ति को लाभ पहुंचता है ऐसे में इस कार्यक्रम को किसी अन्य जगह पर किया जाना उचित रहता। खाद्य मंत्री ने जिला पूर्ति अधिकारी को आगे से इस तरह की घटना को दोबारा ना दोहराए जाने की चेतावनी दी।

- खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री रेखा आर्या राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं
- खाद्य मंत्री ने किया लाभार्थियों को नवीन सुविधाजनक (पी.वी.सी.)कार्ड का वितरण
- मंत्री ने लाभार्थियों को किया उज्ज्वला योजना अंतर्गत निशुल्क गैस का वितरण

कांवड़ मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु करेंगे : मुख्यमंत्री

हरिद्वार में कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक में बोले सीएम

फ़िरोज़ आलम गाँधी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सी.सी.आर हरिद्वार में कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कांवड़ मेला शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं। सकुशल कांवड़ मेला सम्पन्न कराने के लिए कांवड़ मेले से संबधित अन्य राज्यों के अधिकारियों से भी निरन्तर समन्वय बनाकर रखें। यह सुनिश्चित किया जाए कि 14 जुलाई से 26 जुलाई 2022 तक होने वाले कांवड़ मेले में स्वास्थ्य, विद्युत, पेयजल, पार्किंग, स्वच्छता एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अच्छी हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार कांवड़ यात्रा में 4 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उन्होंने सभी शिवभक्तों से अपील की कि देवभूमि उत्तराखण्ड में कांवड यात्रा पर आने वाले शिवभक्त एक-एक पौधा लगाएं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी हरिद्वार को निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिलास्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पार्किंग स्थलों में पेयजल की पूर्ण व्यवस्था रखी जाए। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर शाइनेज की पूर्ण व्यवस्था हो। कांवड़ पटरी पर विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था हो। वन क्षेत्र में जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु चेतावनी बोर्ड लगाये जाएं। कांवड़ मेला के दौरान यात्रा रूटों का पूरा चार्ट दिया जाए। भण्डारे एवं लंगर के लिए हाइवे से दूरी पर स्थान चिन्हित किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कांवड़ मेले के दौरान पर्वतीय जनपदों में आवश्यक सेवाओं एवं सामग्रियों को भेजने के लिए कोई परेशानी न हो। होटलों एवं दुकानों में रेट लिस्ट चस्पा की जाए। स्थानीय स्तर पर लोगों को आवागमन में अधिक परेशानी का सामना न करने पड़े।

जिलाधिकारी हरिद्वार विनय शंकर पाण्डेय ने कांवड़ की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण देते हुए कहा कि कांवड़ मेले के लिए 60 हजार वाहनों की क्षमता के लिए 13 पार्किंग स्थल बनाये गये हैं। इसके अलावा विशेष परिस्थितियों के लिए 03 अतिरिक्त पार्किंग स्थल आरक्षित हैं। कांवड़ यात्रा के सुचारू संचालन हेतु मेला क्षेत्र में 12 सुपर जोन, 32 जोन एवं 134 सेक्टर बनाये गये हैं। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 17 अस्थाई स्वास्थ्य शिविरों की स्थापना की गई है। चिकित्सा केन्द्रों में एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, विधायक प्रदीप बत्रा, आदेश चौहान, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानन्द, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, एडीजीपी डॉ. वी मुरूगेशन, सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, नितेश झा, राधिका झा, अरविंद सिंह ह्यांकी, एच.सी. सेमवाल, आयुक्त परिवहन रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव सी. रविशंकर, गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार, डीआईजी गढ़वाल के. एस. नगन्याल, एस.एस.पी. हरिद्वार डॉ. वाई.एस. रावत एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने कांवड़ मेले में कोरोना से बचाव के दिए निर्देश, छोटे व्यापारियों को दी राहत

फ़िरोज़ आलम गाँधी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून एवं सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ कांवड़ मेले की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री ने कांवड यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों की उपलब्धता, चिकित्सा व्यवस्था, होटल, रेस्टोंरेंट दुकानों में रेटलिस्ट चस्पा करने, कांवड़ियों के स्वागत में पुष्पवर्षा आदि व्यवथाओं के साथ ही कोविड संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत मार्गों पर जगह-2 मास्क एवं सेनिटाइजर रखने तथा ड्यूटी पर तैनात किए जाने वाले कार्मिकों के बुस्टर डोज लगें हो। उन्होंने यात्रा मार्गों पर छोटे व्यवसायियों यथा रेहड़ी, ठेली, ढाबे वालों को भी अनुमति देने को कहा। साथ ही खाली स्थलों को भी पार्किंग हेतु आरक्षित रखने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने मा0 मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि कावंड़ क्षेत्र ऋषिकेश में पार्किंग व्यवस्था हेतु आईडीपीएल, भरत विहार, भरत मंदिर इंटर कॉलेज एवं पीडब्लूडी गेस्ट हाउस चिन्हित किए गए है। तथा अन्य स्थल भी चिन्हित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि पार्किंग स्थलों पर टॉयलेट आदि व्यवस्थाएं की गई है साथ ही कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों पर एंबुलेंस तैनात की जा रही है।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के पश्चात जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने एनआईसी सभागार में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को जनपद में कांवड़ मेले हेतु की जाने वाली तैयारी एवं व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था हेतु कांवड़ मेला समिति के माध्यम से टेंडर व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही पार्किंग की अतिरिक्त व्यवस्था हेतु स्थल चयन करने तथा पार्किं स्थलों पर मोबाइल टॉयलेट लगाने के भी निर्देश दिए।

एनआईसी सभागार में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मजेय खण्डूरी, प्रभागीय वनाधिकारी नीतिशमणी त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश शैलेन्द्र नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मनोज उप्रेती, मुख्य शिक्षा अधिकारी मुकुल सती सहित परिवहन, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निमार्ण विभाग, सिंचाई आदि संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आम आदमी कैसे बुक कर सकता है एयर एम्बुलेंस, जानिए पूरी प्रक्रिया

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने कभी न कभी तो एयर एम्बुलेंस का जिक्र सुना ही होगा। जैसे- फलां नेता या कोई आम इंसान बहुत ज्यादा बीमार था और एयर एम्बुलेंस से अच्छे अस्पताल पहुंचाया गया और उसकी जान बच गई। ऐसी खबरों को पढ़कर बहुत से लोगों को लगता है कि इसका इस्तेमाल सिर्फ पैसे वाले ही कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। बात उत्तराखंड की धामी सरकार की करें तो मुख्यमंत्री ने एयर एम्बुलेंस सेवा को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं वहीं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में एयर एंबुलेंस सेवा को टोल फ्री नंबर 108 से जोड़ा जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर दीर्घकालीन व सौ दिवसीय योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए है ।न्यूज़ वायरस आपको बता रहा है कि आप आपातकाल में अपने मरीज़ की मदद के लिए एयर एम्बुलेंस कैसे बुक कर सकते हैं ?

खर्चे की ये है संभावित राशि - .

सबसे पहले आप जानना चाहेंगे कि खर्च कितना आता है क्योंकि बजट बड़ा मसला होता है तो एयर एम्बुलेंस बुक करने का खर्च आमतौर पर लगभग 5-6 लाख या इससे ज्यादा भी हो सकता है, लेकिन कुछ ऐसे रास्ते भी होते हैं जिसकी मदद से एक मिडिल क्लास इंसान भी एयर एम्बुलेंस बुक कर सकता है।

सवाल- एयर एम्बुलेंस क्या है?

जवाब- कम-से-कम समय में किसी पेशेंट को एक शहर से दूसरे शहर के अस्पताल तक पहुंचाने के लिए बेसिक मेडिकल फैसिलिटी वाले हवाई जहाज या हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाता है, इसे ही एयर एम्बुलेंस कहते हैं।

सवाल- कोई भी साधारण व्यक्ति एयर एम्बुलेंस कैसे बुक कर सकता है और वो पेशेंट तक कैसे पहुंचेगा ?जवाब- एयर एम्बुलेंस वाली कुछ कंपनियों का कहना है कि बुकिंग प्रोसेस में समय-समय पर बदलाव होता रहता है। फिर भी सामान्य प्रोसेस को जान लीजिए-

सबसे पहले एयर एम्बुलेंस वाली कंपनी या अस्पताल के इमरजेंसी नंबर पर कॉल करना होगा।

उनके कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव को पेशेंट की बीमारी को लेकर पूरी डिटेल देनी होगी, ताकि वो जल्द से जल्द आपको सर्विस दे सकें।एक टीम आपकी बताई सिचुएशन को एनालाइज करेगी और सर्विस की कीमत के साथ कुछ जरूरी जानकारी देगी।वह टीम अपनी इमरजेंसी मैनेजमेंट यूनिट को अलर्ट भेजेगी और एयर एम्बुलेंस डिस्पैच कराएगी।फाइनली एयर एम्बुलेंस पेशेंट के पास जल्द से जल्द पहुंचाकर पेशेंट को अस्पताल तक पहुंचाएगी।

सवाल- एयर एम्बुलेंस के अंदर कौन-कौन सी सुविधाएं होती हैं?

जवाब- एयर एम्बुलेंस के अंदर किसी भी इमरजेंसी सिचुएशन में इस्तेमाल किए जाने वाले जरूरी इक्विपमेंट होते हैं। जैसे-

ब्रीदिंग ऐपरेटस (मरीज को सांस न आए तो, इसे पहनाया जाता है)मॉनिटरिंग सिस्टम (मरीज की स्थिति को देखता है)पेसमेकर (मरीज की हार्ट बीट को कंट्रोल करता है)इसके अलावा खून पतला करने वाली मेडिसिन भी होती हैं।पेशेंट की सिचुएशन को देखते हुए कुछ दूसरे इक्विपमेंट भी जोड़े जा सकते हैं।चलते-चलते जान लीजिए

देश में इस समय 49 सरकारी एयर एम्बुलेंस हैं

दिल्ली - 39महाराष्ट्र- 5केरल - 2ओडिशा- 1गुजरात- 1पश्चिम बंगाल - 1

एमडी परिवहन रोहित मीणा ने किया आईओसी के निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन

शिविर का उद्घाटन रोहित मीणा एवं राजकुमार दुबे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड परिवहन निगम देहरादून डिपो में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन रोहित मीणा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, उत्तराखंड परिवहन निगम देहरादून एवं राजकुमार दुबे, कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, यूपीएसओ-2, द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा इस निशुल्क नेत्र जांच शिविर, मुख्यतः पहाड़ी क्षेत्र में चलने वाले ड्राइवरों के नेत्र स्वास्थ्य की जांच करने के उद्देश्य से लगाया गया है, ताकि इस दुर्गम क्षेत्र में न केवल ड्राईवर बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। इस कैम्प में परीक्षण के उपरांत, ड्राइवर की आँखें कमज़ोर पाए जाने पर उन्हें निशुल्क चश्मा भी वितरित किया गया।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने हमेशा इस सामाजिक कारण में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसी के अनुरूप इंडियनऑयल, उत्तराखंड परिवहन निगम के सभी 17 डिपो के यूटीसी बस चालकों के साथ-साथ निजी ऑपरेटरों के चालकों का भी नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण करा रहा है।

उत्तराखंड में हुई हालिया घटनाओं के बाद इंडियन ऑयल द्वारा आयोजित इस नेत्र जांच शिविर से ड्राइवरों को मुफ्त में ही अपनी आंखो की जांच मिल सकेगी । माननीय अध्यक्ष इंडियन आयल कॉर्पोरेशन श्रीकांत माधव वैद्य के मार्गदर्शन में देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह के शिविर लगाए जा रहे हैं। रोहित मीणा, प्रबंध निदेशक उत्तराखण्ड परिवहन निगम देहरादून द्वारा अपने संबोधन में इंडियन ऑयल द्वारा किए जा रहे इस सामाजिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। राजकुमार दुबे, कार्यकारी निदेशक इंडियन ऑयल, ने अपने संबोधन में कहा कि इंडियन ऑयल सदैव ही इस तरह के सामाजिक कार्यों के लिए कटिबद्ध रही है, और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहें।

अलर्ट हैं नगर आयुक्त मनुज गोयल : डेंगू को लेकर कसी कमर तो अवैध अतिक्रमण पर चला हथौड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नगर आयुक्त मनुज गोयल की अध्यक्षता में डेंगू से बचाव के लिए अहम बैठक आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों / कर्मचारियों को निर्देष दिये गये कि समस्त सुपरवाईजर अपने आवंटित वार्डो /क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सघन अभियान चलाना सुनिष्चित करेंगे। इसके लिए वार्ड/ मौहल्लावार सफाई निरीक्षक, सुपरवाईजर, आशा कार्यकर्ती तथा ए0एन0एम0 का नाम उल्लिखित करते हुए रोस्टर तय किया जाये जिसमें उनके द्वारा प्रतिदिन लगभग 100 घरों का निरीक्षण करते हुए जिला मलेरिया अधिकारी, देहरादून एवं नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराये गये डेगू से बचाव के पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे। इसके अतिरिक्त नगर निगम कूड़ा वाहन/आंचल दूध वाहन/सिनेमा हॉल के माध्यम से ऑडिया/वीडियों के माध्यम से भी डेगू के प्रभावी नियंत्रण एवं बचाव हेतु जनजागरूकता का प्रचार-प्रसार कराया जाये।

उप नगर आयुक्त रोहिताश शर्मा को नोडल अधिकारी नामित करते हुए निर्देषित किया गया कि वह प्रतिदिन किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में प्राप्त होने वाली सूचनाओं का परीक्षण करते हुए संकलित रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे तथा फील्ड में जाकर टीम द्वारा किये जा रहे कार्य का निरीक्षण भी करेंगे। नगर आयुक्त द्वारा जनता से अपील की गयी कि बारिश के मौसम को देखते हुए डेंगू की रोकथाम के लिए अपने-अपने घर / प्रतिश्ठान / कार्यालय / मॉल आदि परिसरों/कूलर/टायर/गमले की ट्रे / बोतल आदि ऐसी कोई वस्तु जहॉ पानी एकत्र हो को साफ करे लें, ताकि डेंगू मच्छर के लार्वा को पनपने से रोका जा सके। बैठक में अपर नगर आयुक्त जगदीष लाल, उप नगर आयुक्त श्री रोहिताश शर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी श्री सुभाश जोशी एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

नगर निगम ने तरला नागल स्थित नगर निगम भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

अतिक्रमण के दौरान सहायक नगर आयुक्त, कर अधीक्षक भूमि एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारी रहें मौजूद :

देहरादून के नगर आयुक्त मनुज गोयल को सूचना प्राप्त हुई कि तरला नागल में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत एम0डी0डी0ए0 द्वारा आवासों का निर्माण किया जा रहा है। इन आवासों के पीछे स्थित नगर निगम की भूमि खसरा नम्बर-102 ज श्रेणी खाला भूमि पर अतिक्रमण करते हुए अवैध रूप से कुछ लोगों द्वारा बाउड्रीवाल एवं कमरों का निर्माण कुछ व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है। जिसपर तत्काल कार्यवाही करते हुए सहायक नगर आयुक्त/कर अधीक्षक भूमि को नगर निगम स्वामित्व की भूमि से तत्काल अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देष दिये गये

जिसके अनुपालन में भूमि अनुभाग की टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण/निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गयी।जलभराव की समस्या के समाधान के अन्तर्गत घंटाघर, प्रिंस चौक, डोभाल चौक एवं एम0के0पी0 चौक आदि स्थलों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान घंटाघर पर मौजूद दुकानदारों ने बताया कि घंटाघर से दर्शन लाल चौक तक तथा प्रिंस चौक पर नाला/फुटपाथ का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया है। जिसमें सफाई हेतु कोई स्थान/चैम्बर नहीं छोडा गया है, जिस कारण नाले की सफाई नहीं हो पाती है और नाले में मलवा/मिट्टी जमा होने के कारण पानी सड़क पर बहता रहता है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी/सफाई निरीक्षक को निर्देषित किया गया कि उक्त दोनों स्थलों पर लोक निर्माण विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नाले से सील्ट आदि को निकलवाते हुए नाला गैंग के माध्यम से पानी की समुचित निकासी सुनिष्चित करायी जाये।

यह भी निर्देशित किया गया कि दोनों स्थलों पर फुटपाथ के आसपास तथा रोड़ के किनारे के0सी0 डे^{a}न में जमा मिट्टी को तत्काल हटवाना सुनिष्चित करेंगे ताकि सड़क के पानी की निकासी नाले में हो सके साथ ही इसके अतिरिक्त घंटाघर परिसर एवं चारों ओर सफाई करवाना सुनिष्चित करेंगे। दर्शन लाल चौक पर नाले का निर्माण कार्य गतिमान है, नाले के आस-पास काफी मात्रा में मलवा एकत्रित पाया गया, अधिषासी अभियन्ता को निर्देषित किया गया कि तत्काल मलवा हटवाना सुनिष्चित करें तथा निर्माण कार्य को भी शीघ्र पूर्ण करायें।

दून मेडिकल कालेज से जुड़ेंगे 100 पीएचसी व सीएचसी

टेलीमेडिसिन के जरिए मिलेगा विशेषज्ञ परामर्श : डॉ आशुतोष सयाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः दून समेत चार जिलों की 100 पीएचसी/सीएचसी के मरीज अब टेलीमेडिसिन के जरिए दून मेडिकल कालेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श ले पाएंगे। इसके लिए मेडिकल कालेज प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। यह सुविधा आगामी 25 जुलाई से शुरू कर दी जाएगी। जिसके बाद उत्तराखंड इस सुंविधा को शुरू करने वाला 14वां राज्य बन जाएगा।दून मेडिकल कालेज सभागार में प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना की अध्यक्षता में टेलीमेडिसिन सुविधा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें टेलीमेडिसिन सोसाइटी आफ इंडिया के सचिव डा. मूर्ति व राज्य में इस योजना पर काम कर रही धनुष इन्फोटेक लिमिटेड के विकास राणा भी मौजूद रहे। बताया गया कि इस योजना का हब एंड स्पोक माडल लांच होने से दून मेडिकल कालेज, श्रीनगर एवं हल्द्वानी मेडिकल कालेज से 100-100 पीएससी / सीएचसी को जोड़ा जाएगा। जिसमें सिर्फ विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा ओपीडी समय में उपलब्ध होगी। इसकी फंडिंग विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से की जा रही है। कुछ सुदूरवर्ती क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी के लिए इसरो बैंगलुरु से टाइअप किया गया है। प्राचार्य ने बताया कि टेलीमेडिसिन सुविधा शुरू होने से दूरदराज के क्षेत्र के मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा। दून मेडिकल कालेज के टेलीमेडिसिन सेंटर से देहरादून, हरिद्वार, टिहरी व उत्तरकाशी की 100 सीएचसी व पीएचसी जुड़ेंगे। विशेषज्ञ चिकित्सक इन सीएचसी व पीएचसी में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री देखकर उपचार देंगे। टेली मेडिसिन से मरीजों का रेफरल लोड भी कम होगा। उन्हें प्राथमिक स्तर पर ही उपचार मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि कई मरीज यहां आपरेशन करवा कर दोबारा दिखाने आते हैं। उनको इतनी दूर ना आकर टेलीमेडिसिन के जरिए नजदीक ही चिकित्सक की सलाह मिल जाएगी। जिन मरीजों को आपरेशन के पहले जांच या सलाह की जरूरत है वह भी इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधाओं को सुदूर दुर्गम क्षेत्रों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि गुजरात, केरल, तमिलनाडु आदि राज्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से टेली ओपथामोलाजी ओपीडी का संचालन किया जा रहा है। जिसमें काला मोतिया, सफेद मोतिया एवं डायबिटिक रेटिनोपैथी से होने वाली अंधता को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रिवेंटिव मेडिसिन ज्यादा बेहतर विकल्प है। क्योंकि क्यूरेटिव मेडिसिन का लाभ सिर्फ उसी मरीज को मिलता है जिसको बीमारी हुई है। स्वस्थ व्यक्ति को भी बीमारी से बचाने के लिए प्रिवेंटिव मेडिसिन का महत्व कोरोना काल में और भी अधिक बढ़ गया है और लोग इसका व्यावहारिकता में लाने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान डा. सुशील ओझा सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

यूथ डेटिंग ऐप्स पर पार्टनर की तलाश कर रहे है, तो हो जाए सावधान

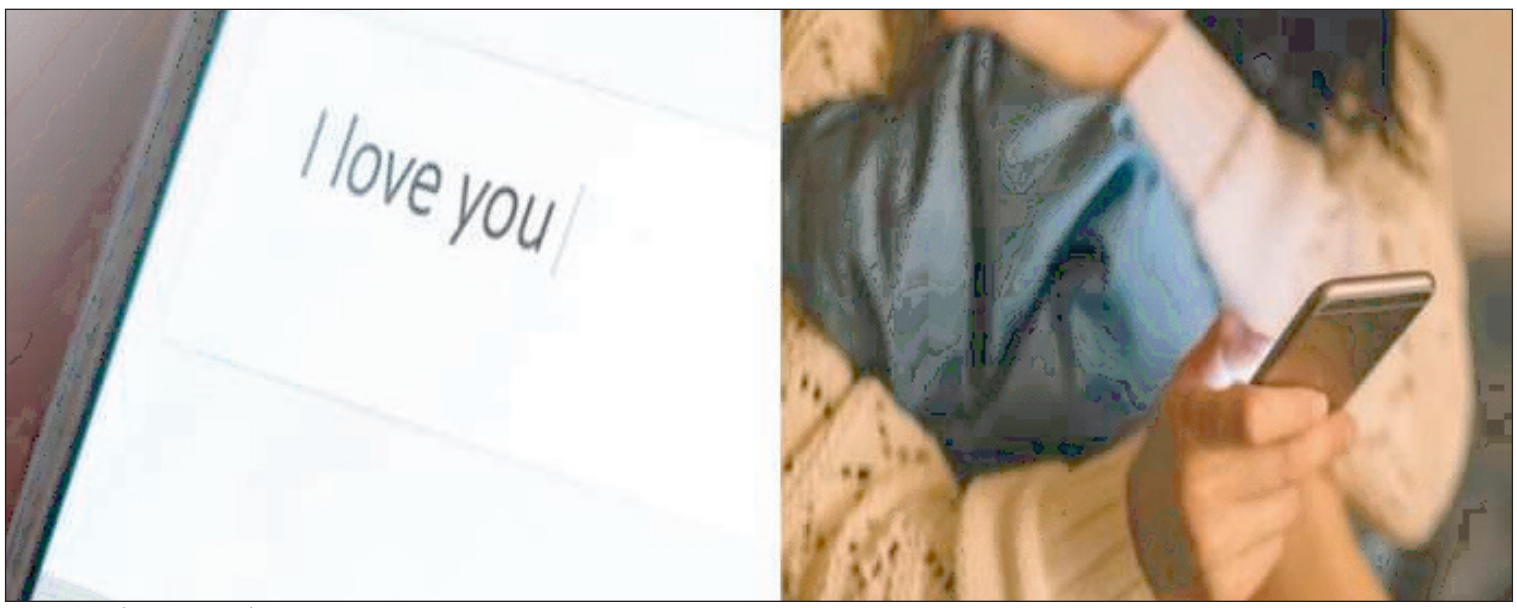

फ़िरोज़ आलम गाँधी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डिजिटल टेक्नोलॉजी ने हर काम को बेहद आसान बना दिया। जहा पर हर काम को करवाने के लिए अलग अलग प्लेटफ़ॉर्म मौजूद है। इसलिए अब लोग अपने पार्टनर की तलाश करने के लिए डेटिंग ऐप का इस्तेमाल कर करते है।

आपको ऐसे बहुत से कपल मिल जाएंगे जिन्होंने अपने पार्टनर को डेटिंग ऐपस के माध्यम से ढूंढा है। लेकिन डेटिंग ऐपस का अनुभव सबके लिए सही हो ऐसा संभव नहीं है। बहुत से लोगों डेटिंग ऐपस पर धोधाधड़ी का शिकार भी हो रहे है । जिसको लेकर लगातार केस सामने या रहे है। ऐसे मे आपके साथ डेटिंग ऐपस के माध्यम से धोखाधड़ी न हो। इसलिए न्यूज़ वायरस के इस इस लेख को पूरा पढे। इस लेख मे हम आपको बताने वाले है कि डेटिंग ऐपस स्कैम क्या है। डेटिंग ऐप्स स्कैम से कैसे बचे ? डेटिंग ऐप्स और साइट स्कैम क्या है ?फरवरी महीने को प्यार मोहब्बत वाला महीना माना जाता है। जिसकी अलग अलग डेट को कपल अलग अलग प्रकार से सेलिब्रेट करते है। इस महीने मे सिंगल लोग भी अपने लिए पार्टनर की तलाश करते है । इंटरनेट के दौर से पहले लड़के लड़किया अपने प्यार को स्कूल , कॉलेज , कोचिंग सेंटर , मे तलाश करते है। लेकिन इंटरनेट के इस दौर में डेटिंग ऐप पर पार्टनर सर्च करना उनके लिए एक अच्छा ऑप्शन रहता है ऐसे मे अगर आप भी डेटिंग ऐपस के माध्यम से अपना पार्टनर तलाश कर रहे है। तो न्यूज़ वायरस के इस लेख को पूरा पढे। ताकि आप प्यार के जाल मे फसकर अपना जीवन बर्बाद करने से बच सको। डेटिंग ऐप्स के माध्यम से धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे है।

डेटिंग ऐप्स केस से समझिये फ्रॉड का तरीका -

केस 1

मुंबई के 65 वर्ष के एक एक व्यक्ति को डेटिंग ऐप्स पर 75 लाख रुपए की चपत लग गई । ये फ्रॉड एक विदेशी महिला के द्वारा किया गया था। व्यक्ति की दोस्ती महिला से सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। महिला ने व्यक्ति को डेटिंग ऐप्स पर एनरोल करने के एवज में अलग अलग प्रकार के ऑफर दिए। जिसके कारण महिला ने व्यक्ति को एनरोल कराकर अपने जाल मे फसाकर उसे 75 लाख रुपये का चुना लगा दिया।

केस 2

दिल्ली वसंत कुंज के रहने वाले एक युवक की डेटिंग ऐप्स पर एक लड़की से दोस्ती शुरू हुई। लड़की ने खुद को हाँगकाँग का बताया। धीरे धीरे ये दोस्ती प्यार मे बदलने लगी। जब दोनों के बीच मे लगातार बात होने लगी तो लड़के को लड़की के ऊपर पूरा विश्वास हो गया था। लेकिन एक दिन ऐसा आया जब लड़के ने लड़की कहने पर एमटी5 पर अकाउंट खोलकर तकरीबन 41 लाख रुपये गवा दिए। जब उसे अपने साथ हुई धोखाधाडी का पता चला तो उसने नजदीकी थाने मे जाकर इसकी सूचना दी। लेकिन अब उसे पैसे मिलना संभव नहीं है।

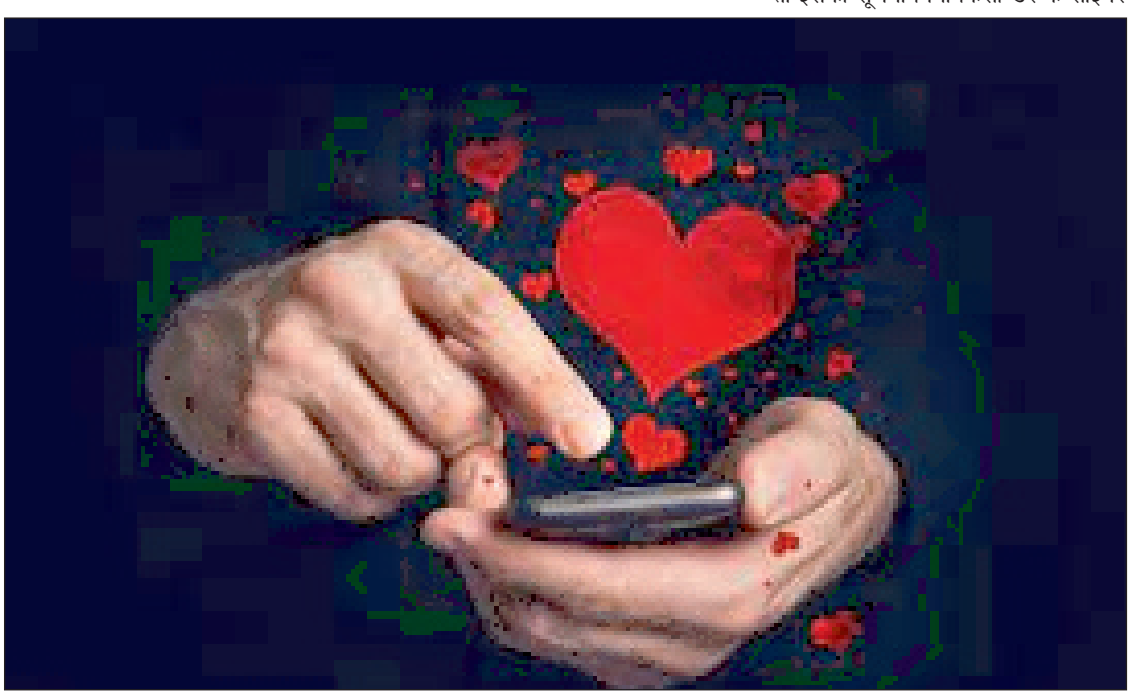

डेटिंग ऐप्स से जुड़ी हुई कुछ महत्वपूर्ण जानकारी ------

अगर आप डेटिंग का इस्तेमाल करते है तो बिना किसी जानकारी के हर व्यक्ति से दोस्ती करने से बचें।

डेटिंग ऐप पर अगर आपकी दोस्ती किसी अनजान प्रसन से हो जाती है। तो जल्दबाजी में आकर उसके साथ अपनी निजी जानकारी शेयर न करे।

डेटिंग ऐप पर दोस्ती होने के बाद अगर आपसे कोई आर्थिक मदद के नाम पर पैसा की डिमांड करता है तो अलर्ट हो जाइये।

डेटिंग ऐप पर अगर कोई अनजान प्रसन दोस्ती होने बाद आपको दुख भरी कहानी सुनाकर आपसे किसी प्रकार की डिमांड करता है। तो ऐसे लोगों से बचेंअगर कोई आपकी बहुत ज्यादा तारीफ कर रहा है तब भी आप सतर्क रहे। क्योंकि चुना हमेशा मीठी बातों से ही लगाया जाता है।

अगर आपको डेटिंग ऐप्स पर कोई पार्टनर मिल गया है या मिल गई है तो इसकी जानकारी अपने नजदीकी दोस्तों को जरूर दे।डेटिंग ऐप पर दोस्ती होने के बाद अगर कोई अनजान पर्सन आपको ब्लैकमेल या टॉर्चर कर रहा है तो इसकी सूचना बिना किसी डर के साइबर सेल में जरूर दे।अगर आपने गलती से निजी जानकारी जैसे कि पढ़ाई लिखाई से संबंधित प्रमाण पत्र की जानकारी , बैंकिंग खाते की जानकारी या किसी भी प्रकार की निजी जानकारी दे दी है। तो उसका सबूत देने के लिए सर्टिफिकेट या कोई दस्तावेज न दे।

पैर में रोजाना डेढ़ पाव पसीना बनता है, जूतों को आराम देना जरूरी

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जल्दबाजी में बिना मोजे के जूते पहनते हैं? या कई दिनों तक एक ही मोजा पहने रहते हैं? आपकी यह आदत सेहत के लिए किस तरह नुकसानदायक हो सकती है बता रहे हैं एकार्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फरीदाबाद के इंटरनल मेडिसिन एंड रुमेटोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट और यूनिट हेड डॉ जयंत ठाकुरिया।

डायबिटीज रोगियों को इन्फेक्शन का खतरा

पैरों में बिना मोजे पहने ही जूते पहनते हैं या पूरे दिन जूते पहनते हैं? तो पसीने की वजह से पैदा होने वाले फंगस से कई एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। जिन लोगों को डायबिटीज या शुगर है उन्हें इन्फेक्शन का खतरा ज्यादा होता है।

1 दिन में डेढ़ पाव पसीना बनता है

कैलिफोर्निया पोडियाट्रिक मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, पांव के तलवे में 2,50,000 पसीने की ग्रंथियां होती हैं। यह दिन भर में डेढ़ पाव यानी 1 बियर ग्लास पसीना बनाती हैं। इसके अलावा पैर में सबसे ज्यादा डेड स्किन सेल्स होते हैं। जब पसीना और मृत त्वचा मिलते हैं तो बैक्टीरिया और फंगस पनपने का रिस्क बढ़ जाता है। यही कारण है कि पूरे दिन जूते-मोजे पहने रहने से पैरों में अजीब सी बदबू आती है। इससे इन्फेक्शन और बीमारियां हो सकती हैं।

मोजे से आती है बदबू ?

देर तक मोजा पहनने के कारण पैरों में बदबू आती है तो इससे बचने के लिए सॉक्स पहनने से पहले पैरों को अच्छे से सुखाएं, फिर टेलकम पाउडर छिड़कें, इसके बाद मोजा पहनें। गर्मियों में ऐसे फुटवियर चुनें जो थोड़ा खुले हुए हों ताकि हवा पास हो सके।

संपादकीय

वाहनों की बढ़ती बिक्री

जून महीने में वाहनों की बिक्री में पिछले साल जून की तुलना में 27.16 फीसदी की बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है. वाहन विक्रेताओं के संगठन ने जानकारी दी है कि यह वृद्धि हर तरह के वाहनों में हुई है और पिछले माह कुल 15,50,855 वाहनों की बिक्री हुई है. वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में पिछले साल की पहली तिमाही से 64 फीसदी वाहन अधिक बिके हैं. उल्लेखनीय है कि लंबे समय से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के समस्याओं की वजह से सेमीकंडक्टरों की उपलब्धता में बाधा आ रही है. ऐसे में ग्राहकों को वाहनों की आपूर्ति समय से नहीं हो पा रही है. लेकिन जून में यात्री गाड़ियों की बिक्री में 40 फीसदी की बड़ी उछाल से यह संकेत मिलता है कि सेमीकंडक्टरों की कमी में सुधार आ रहा है. फिर भी बड़ी गाड़ियों के लिए प्रतीक्षा अवधि बहुत अधिक है. सेमीकंडक्टर आपूर्ति में बेहतरी के साथ बिक्री के आंकड़े भी बढ़ेंगे. वाहन उद्योग को आशा है कि अगले वर्ष के मध्य तक चिप की कमी दूर हो जायेगी. बिक्री बढ़ने के आंकड़ों और अपेक्षाओं के कारण शेयर बाजार में वाहन कंपनियों के शेयरों के दाम भी बढ़ रहे हैं. आम तौर पर शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है, लेकिन वाहन उद्योग के शेयरों के सूचकांक में इस वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में 15.5 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है. इसका अर्थ यह है कि निवेशकों को पूरा भरोसा है. वाहन बिक्री अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सूचक होता है. हालांकि घरेलू और वैश्विक कारणों से अन्य कई देशों की तरह भारतीय अर्थव्यवस्था भी मंदी और महंगाई के दबाव में है, पर मानसून के गति पकड़ने, तेल पर शुल्क में कटौती जैसे कारकों ने वाहन उद्योग को बड़ा सहारा दिया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में लगातार कमी होते जाने का अनुमान लगाया जा रहा है. इससे भी वाहनों की खरीद बढ़ने की अपेक्षा है. बिक्री के संबंध में जानकारों का आकलन है कि इस वित्त वर्ष में व्यावसायिक वाहनों में 20 प्रतिशत, यात्री गाड़ियों में 20 प्रतिशत, दुपहिया वाहनों में 11 प्रतिशत और ट्रैक्टरों में चार प्रतिशत की वृद्धि होगी. इससे स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियों के बावजूद बढ़ोतरी हो रही है तथा भविष्य को लेकर अर्थव्यवस्था के प्रति विश्वास भी बना हुआ है. ग्रामीण भारत वाहनों का बहुत बड़ा खरीदार है, पर अपेक्षित आर्थिक वृद्धि नहीं होने के कारण दुपहिया वाहनों और ट्रैक्टरों की बिक्री की दर अन्य वाहनों की अपेक्षा धीमी है. कुछ समय पहले ही केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की है और मानसून के भी सामान्य रहने का अनुमान है. अर्थव्यवस्था में क्रमशः सुधार का लाभ भी ग्रामीण भारत को मिलेगा. शहरी क्षेत्र में रोजगार के मामले में भी संतोषजनक रुझान हैं. ऐसे में यह अपेक्षा की जा सकती है कि दुपहिया वाहनों, छोटी कारों, व्यावसायिक वाहनों और ट्रैक्टरों की मांग बढ़ेगी.

CBI के 2 बैंक अधिकारियों की गिरफ्तारी STF साइबर पुलिस का बड़ा पर्दाफाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में प्रदेश के निवासियों को साइबर अपराधियो द्वारा जनता से ठगने वालो पर सख्त कार्यवाही पर पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार द्वारा एसटीएफ व साइबर पुलिस को प्रभावी कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिए गए है । इसी का नतीजा है कि थाना साइबर पुलिस उत्तराखंड द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये लगातार सक्रिय रहकर साइबर अपराध में सलिप्त सैन्ट्रल बैक ऑफ इण्डिया के 2 बैक अधिकारियों की गिरफ्तारी की गयी है ।

बैक अधिकारियो की मिलीभगत से आम-जनता के खातो के एस0एम0एस0 अलर्ट नम्बर बदलकर 12 लाख की धोखाधडी करने वाले सैन्ट्रल बैक ऑफ इण्डिया के 2 बैक अधिकारियो की गिरफ्तारी हुयी है । वर्तमान में बैंक कर्मचारियो के द्वारा आम जनता के बैंक खातों में एसएमएस अलर्ट नम्बर बदल कर उनकी मेहनत की कमाई को उडाने के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुआ था जिसमें सुमन सहगल निवासी सेलाकूई देहरादून ने सेंट्रल बैक ऑफ इण्डिया सेलाकुई शाखा में बैक अधिकारियों द्वारा बिना उनकी अनुमति SMS अलर्ट नम्बर बदल कर खाते से 12 लाख रुपये धोखाधड़ी से निकाले जाने पर मुकदमा कराया था । मामले की गम्भीरता को देखते हुये अपराध का पता लगाते हुए अपराधियों को पकड़ने के लिए साइबर थाने से निरीक्षक त्रिभुवन रौतेला के नेतृत्व में टीम गठित की गयी ।

इस आपराधिक घटना में अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए घटना में इस्तेमाल मोबाईल नम्बर, ई-मेल आईडी, ई-वालेट, तथा बैंक खातों व सीसीटीवी फुटेज व भौतिक साक्ष्यो के विश्लेषण करने पर जानकारी की गयी तो पता चला कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया के अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता की बिना अनुमति के धोखाधड़ीपूर्वक अपने खाताधारक के बैंक खाते से सम्बन्धित गोपनीय जानकारी में परिवर्तन कर नेट/मोबाईल बैंकिग के माध्यम शिकायतकर्ता की धनराशि से ऑनलाईन माध्यम से सोना खरीदकर उसको बेचकर लाभ अर्जित किया जा रहा था। साइबर थाने से विशेष टीम का गठन कर टीम द्वारा कम्पनियों से प्राप्त विवरण से साक्ष्य एकत्रित कर पुलिस टीम ने घटना में संलिप्त सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया बैंक के 3 बैक अधिकारियों को गिरफ्तार कर जिला कारागार भेजा गया था । इससे पूर्व भी थाना साइबर क्राईम पर अतुल कुमार शर्मा द्वारा लिखाये गए एफआईआर के बाद बैक अधिकारियों द्वारा उनकी माता के बैक खाते का एस0एम0एस0 अलर्ट नम्बर बदलकर खाते से 30 लाख रुपये की धोखाधडी की गयी थी इस मामले में भी सैन्ट्रल बैक ऑफ इण्डिया के 3 बैक अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है । घटना में सलिप्त अन्य 2 अभियुक्तो में से 1 अभियुक्त अनिरुद्ध थापा , सहायक प्रबन्धक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया बदरपुर दिल्ली से व एक अन्य अभियुक्त सनी गुलेरी प्रबन्धक क्षेत्रीय कार्यालय सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया को देहरादून से गिरफ्तार करने में साइबर पुलिस को कामयाबी मिली है।

धामी के दरबार में फैसला ओंन द स्पॉट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार देर सांय तक मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों की समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित निराकरण अधिकारियों की जिम्मेदारी है। यह सुनिश्चित किया जाए कि जन समस्याओं का शीघ्रता से समाधान हो। आम जनता को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये बार-बार मुख्यमंत्री तक न आना पड़े।

उत्तराखण्ड 2025 में खेलों में भी बनेगा आदर्श राज्य : मुख्यमंत्री

आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड @ 25 बोधिसत्व 2 विचार मंथन कार्यक्रम में खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े लोगो ने रखे अपने विचार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री केम्प कार्यालय में आयोजित आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड @ 25 बोधिसत्व विचार मंथन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े लोगों से संवाद करने के साथ ही उनके विचार भी सुने तथा उन्हें सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जनसंवाद पर आधारित विकास का मॉडल तैयार करने का हमार प्रयास है। इसी को ध्यान में रखते हुए बजट की रूप रेखा तैयार करने में जन सुझावों के साथ बोधिसत्व विचार श्रृंखला में प्राप्त सुझावों को भी इसमें शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य खेलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाये, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिले इसके लिये खेल नीति तैयार की गई है। हमरा प्रयास है कि खेलों का भी रोड मेप भी तैयार हो खेलों की बेहतरी तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिये खेल नीति में और संशोधन किये जाने की जरूरत होगी तो की जायेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्तर पर खेलों के विकास के सम्बन्ध में हर तीन माह में समीक्षा की जायेगी तथा खिलाड़ियों से संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण किये जाने के भी प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जो लोग खेलों से जुड़े है वे अच्छा कार्य कर रहे हैं, 2025 में खेलों में भी उत्तराखण्ड आदर्श बने इसके लिये भी प्रयास किये जायेंगे। हमारे राज्य में खेल प्रतिभाओं की कमी नही है, यहां का वातावरण लगभग सभी खेलों के लिये अनुकूल है। उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थिति में जीवन यापन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की समस्याओं से वे अवगत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम देवभूमि के निवासी है।

धर्म अध्यात्म एवं योग की हमारी भूमि है। हम जहां भी है राज्य हित में अपना श्रेष्ठ देने का कार्य करें। सरकार साझीदार तथा सहयोगी के रूप में सबके साथ खड़ी है। सभी के सहयोग से हमें उत्तराखण्ड को आदर्श एवं विकसित राज्य बनाना है।

कार्यक्रम के संयोजक दुर्गेश पंत ने कहा कि आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड बनाने के उद्देश्य से 27 अक्टूबर 2021 से शुरू किये गये इस बोधिसत्व कार्यक्रम में सर्वप्रथम मा० प्रधानमंत्री जी व भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार, नीति आयोग के उपाध्यक्ष व समस्त सलाहकार तथा देश के वैज्ञानिक संस्थानों के प्रमुखों एवं शीर्षस्थ वैज्ञानिकों, योजनाकारों तथा विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम के तहत अभी तक 05 बड़े व 08 छोटे संगोष्ठियां सहित कुल 13 संगोष्ठियां की जा चुकी है।इस अवसर पर जिन्होंने अपने विचार रखे उनमें शूटिंग खिलाड़ी जसपाल राणा, बालीवाल खिलाड़ी अरूण कुमार सूद, एथलेटिक्स खिलाड़ी गुरूफूल सिंह, मनीष सिंह रावत, प्रो0 ए.एस.सजवाण, सुखबीर सिंह, गोल्फ खिलाड़ी डॉ. हाविश कुमार, यशौदा कर्णवाल, पर्वतारोही लवराज धर्मशक्तु, बास्केट बॉल खिलाड़ी शिवम आहुजा, तीरंदाजी से रामेश प्रसाद, बाक्सिंग खिलाड़ी नवीन चौहान, क्रिकेट खिलाड़ी प्रजींद्र सिंह एवं लियाकत अली खां तथा ऑनलाईन माध्यम से बैडमिंटन खिलाडी लक्ष्य सेन, चिराग सेन, डी.के.सेन, एसोसियेट प्रो0 डॉ. सीपी भाटी, सुखबीर सिंह, बीएचयु से प्रो. बी सी कापरी, कोच इंडियन वुमैन बॉक्सिंग भास्कर भट्ट, पर्वतारोही शीतल राज, ऑलमपियन मनीष रावत, मनोज सरकार, हॉकी खिलाड़ी राजेंद्र सिंह रावत, एथलेक्टिस सीएस नेगी आदि थे।इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, निदेशक खेल जी.एस.रावत, पूर्व विधायक डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल उपस्थित थे।

मसूरी में एक ही दिन में 126 जगहों से हटाया अतिक्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी शहर में पहली बार स्थानीय प्रशासन ने पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में 126 स्थानों पर बुलडोजर चलाकर सड़कों को साफ किया अभियान के खिलाफ बालाघाट, पुरानी टिहरी बस अड्डे और मैकेनिक बस अड्डे के पास लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्रशासन ने अभियान जारी रखा.उधर, एसडीएम नरेश चंद्र दुर्गापाल के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में किनक्रेग में एक दुकान को सील कर दिया गया है. इसी तरह टिहरी बस अड्डे के पास भी टीम का कुछ लोगों ने विरोध किया, लेकिन बुलडोजर चलता रहा. बाला हिसार, बालाघाट से किनक्रेग तक अवैध खोखों को भी प्रशासन की टीम ने हटाया. जिलाधिकारी के दिशा निर्देशन के पालन में मसूरी क्षेत्र में एसडीएम नरेश चन्द्र दुर्गापाल के नेतृत्व में 126 स्थानों पर अतिक्रमण हटाए गए. जिनमें बालाघाट, मोतीलाल मार्ग, कैंपटी रोड, बस स्टेंड और किंग्रेग आदि स्थान शामिल हैं. एसडीएम मसूरी के नेतृत्व में पुलिस, लोनिवि, नगर निगम और राष्ट्रीय राजमार्ग सहित स्थानीय लोगों को साथ लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है. इसके साथ ही लोगों को सरकारी भूमि पर दोबारा अतिक्रमण न किए जाने की चेतावनी दी गई और संबंधित विभागों को उनकी भूमि पर कब्जा लेने सहित अतिक्रमण न होने देने के निर्देश दिए गए.

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा